

सुना है आँगन और सुना ये मन विदाई गीत लिरिक्स



सुना है आँगन,
और सुना ये मन,
गुरुवर ना जाओ,
यही कहती है धड़कन,
तुम छोड़ के जाओगे,
हम सबको रुलाओगे,
यादों के मीठे पल,
हरदम याद आएंगे,
प्यारी गुरुवाणी है,
बडी ही सुहानी है,
आज है विदाई गुरुवर,
आँसू की रवानी है,
सुना है आँगन,
और सुना ये मन,
गुरुवर ना जाओ,
यही कहती है धड़कन।

तर्ज - चाहा है तुझको।

गुरु के बिन कोई भी,
ज्ञान कहाँ पाए,
ज्ञान अमृत देने तुम,
खुद ही चले आए,
प्रेम का धागा ऐसा बांधा,
अब तोडा ना जाए,
चौमासा हुआ पावन,
धर्म लाभ है हमें,
शब्द और सुर का संगम,
मानते है हम तुम्हे,
सुना है आँगन,
और सुना ये मन,
गुरुवर ना जाओ,
यही कहती है धड़कन।

पापा का सपना था,
वो पूरा हो गया,
चौमासे में रानीवाडा,
पावन हो गया,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



सफल हुआ चौमासा,
रत्नाकर सूरी जी,
गुरु हमने पाए है,
पापा के आशीष भी,
खूब रंग लाए है,
सुना है आंगन,
और सुना ये मन,
गुरुवर ना जाओ,
यही कहती है धड़कन।

सुना है आंगन,
और सुना ये मन,
गुरुवार ना जाओ,
यही कहती है धड़कन,
तुम छोड़ के जाओगे,
हम सबको रुलाओगे,
यादों के मीठे पल,
हर दम याद आएंगे,
प्यारी गुरु वाणी है,
बडी ही सुहानी है,
आज है विदाई गुरुवर,
आंसू खानी है,
सुना है आंगन,
और सुना ये मन,
गुरुवर ना जाओ,
यही कहती है धड़कन।

Singer – Vicky D Parekh

एप्प में इस भजन को कृपया यहाँ देखे